एआई विजन कॉन्क्लेव आज, संभावनाओं पर होगी बात

एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : द इकोनॉमिक टॉइम्स और यूपी के आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के ओर से शुक्रवार को 'एआई विजन कॉन्क्लेव' का आयोजन किया गया है। सेंट्रम में आयोजित इस कॉन्क्लेव में इंडस्ट्री, शासन, शिक्षा, प्रमुख एआई व प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रतिनिधि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस(एआई) की संभावनाओं, लाभ और चुनौतियों पर मंथन करेंगे। यूपी सरकार लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में भी कदम वढ़ा रही है।

इंडस्ट्री, शासन, शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञ करेंगे मंथन

कॉन्क्लेव की थीम 'उत्तर प्रदेशः आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के साथ भविष्य का निर्माण' रखी गई है। इसमें 250 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र में 'यूपी के एआई भविष्य और एआई सिटी परियोजनाः दृष्टिकोण, नवाचार और नेतृत्व' पर वात होगी। इसमें आवकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका एस गर्ग, वेसिक शिक्षा के प्रमुख सचिव डॉ. एमकेएस सुंदरम, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर, सिफी टेक्नोलॉजीज के ग्लोवल चेयरमैन राजू वेगेसना प्रमुख वक्ता होंगे। 'एआई फॉर ऑलः विल्डिंग ए फ्यूचर व्हेयर एआई वेनेफिट्स एव्रीवन' सत्र में विशाल धुपर एआई के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर वात करेंगे।

सार्वजनिक क्षेत्र में एआई का योगदान, एआई से भविष्य के लिए कार्यवल का निर्माण : शिक्षा, प्रशिक्षण और नवाचार, नवोन्मेषी एआई समाधानः कृषि और स्वास्थ्य सेवा में क्रांति, एआई नीति पर विचारः सुरक्षित और प्रभावी एआई विषय पर भी अलग-अलग सत्र होंगे।

इन सत्रों में डीजी (रूल एवं मैन्युअल्स) आशीष गुप्ता, एमएसएमई के सचिव प्रांजल यादव, सिंचाई और जल संसाधन विभाग के सचिव जी एस नवीन कुमार, राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी के सहायक निदेशक डॉ. नील जैन, जम्मू और कश्मीर सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की सचिव डॉ. रश्मि सिंह, आईटी की विशेष सचिव नेहा जैन, यूपीएलसी के प्रवंध निदेशक रवि रंजन हिस्सा लेंगे।